

## 10<sup>th</sup> World Hindi Conference (WHC)

The tradition of the World Hindi Conferences began with the first conference having been organized in Nagpur in 1975. Since then, these conferences have achieved a global profile and momentum of their own. The subsequent nine World Hindi Conferences were organized in different world cities, namely, twice in Port Louis (Mauritius), twice in India, Port of Spain (Trinidad and Tobago), London (UK), Paramaribo (Suriname), New York (USA) and Johannesburg (South Africa). These Conferences have always attracted a galaxy of renowned scholars and followers of Hindi.

The 10<sup>th</sup> World Hindi Conference (WHC) is being organized from 10-12 September 2015 in the city of Bhopal by the Ministry of External Affairs, Government of India in partnership with the Government of Madhya Pradesh. The Conference will be inaugurated by Shri Narendra Modi, Prime Minister of India and people from across the world are expected to be part of this function. The decision to organize the 10<sup>th</sup> edition of the Conference in India was taken at the 9<sup>th</sup> World Hindi Conference held in Johanneburg, South Africa in September, 2012.

The theme for the first four such Conferences was **Vasudhaiv Kutumbakam**. The theme for the Fifth World Hindi Conference held in Port of Spain, Trinidad and Tobago from 04-08 April, 1996 was **Apravaasi Bharateeya Aur Hindi**. The Sixth World Hindi Conference was held in London, U.K. from 14-18 September, 1999 on the theme **Hindi Aur Bhavee Peerhee**. The theme for the Seventh World Hindi Conference held in Paramaribo, Suriname from 06-09 June, 2003 was **Vishwa Hindi: Nai Shatabdi Ki Chunoutiyan**. The Eighth World Hindi Conference was held in New York, America from 13-15 July, 2007 where the theme was **Vishwa Manch Par Hindi**. The theme for the Ninth World Hindi Conference was **Bhasha ki Asmita Aur Hindi Ka Vaishvik Sandarbh**.

During the 10<sup>th</sup> World Hindi Conference deliberations on a series of contemporary issues and subjects, and, on ways of expanding the horizon and common use of Hindi in the areas of science and technology, Information Technology, Administration and foreign policy, law, media etc are scheduled to take place. The main theme of the Conference is **"Hindi Jagat: Vistar avm sambhavnai"**. The conference

would also have academic sessions running in parallel on identified themes.

The venue of the Conference is "Lal Parade Ground", Bhopal. The State Government of Madhya Pradesh is the local organizer for the Conference.

During the Conference, there will be evening cultural programmes organised by the Ministry of Culture, Government of India and Department of Culture, Government of Madhya Pradesh. A Kavi Sammelan will also be organized during the event. The cultural programmes and the Kavi Sammelan will be coordinated by the Indian Council for Cultural relations.

A daily news letter (Sammelan Samachar), a Sammelan Smarika and a Conference Report on discussions held during the academic sessions and their recommendations would also be published. The daily Sammelan Samachar will be brought out by Makhanlal Chaturvedi Rashtriya Patrakarita avam Sanchar Vishwavidyalaya, Bhopal while the Conference Report will be published by Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha. The Indian Council of Cultural Relations will bring out a special issue of "Gagananchal" dedicated to the Conference.

In keeping with the past practice, Hindi scholars from India and other countries would be honoured for their distinguished service in the field of Hindi.

In order to select a suitable logo for the 10<sup>th</sup> World Hindi Conference, a logo design competition was organized by the Ministry of External Affairs carrying a prize amount of Rs. 50,000/-. With the help of the Logo Selection Committee, a suitable logo for Conference was selected. The stamp design is based on the logo of the 10<sup>th</sup> World Hindi Conference.

Department of Posts is pleased to release a commemorative postage stamp on the 10<sup>th</sup> World Hindi Conference, 2015.

### Credits:-

|                            |  |
|----------------------------|--|
| Text                       | : Based on the material provided by proponent. |
| Stamp/FDC/<br>Cancellation | : Alka Sharma                                  |

भारतीय डाक विभाग  
Department of Posts  
India



10वां विश्व हिन्दी सम्मेलन  
10th WORLD HINDI CONFERENCE

विवरणिका BROCHURE

## 10वां विश्व हिन्दी सम्मेलन

विश्व हिन्दी सम्मेलन के आयोजन की परंपरा का शुभारंभ 1975 में नागपुर में आयोजित प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन से हुआ। तब से इन सम्मेलनों ने विश्व स्तर पर अपनी एक अलग पहचान एवं महत्व अर्जित किया है। अब तक के इन 9 विश्व हिन्दी सम्मेलनों का आयोजन विश्व के विभिन्न शहरों में किया गया है, इनमें पोर्ट लूई (मॉरिशस) (दो बार), भारत (दो बार), पोर्ट ऑफ स्पेन (ट्रिनिडाड एवं टोबेगो), लंदन (यू. के.), पारामारिबो (सूरीनाम), न्यूयार्क (संयुक्त राज्य अमेरिका) और जोहानिसबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) शामिल हैं। इन सम्मेलनों ने हमेशा से हिन्दी के प्रख्यात विद्वानों और प्रेमियों को आकर्षित किया है।

10वें विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से 10-12 सितम्बर, 2015 को भोपाल में किया जा रहा है। इस सम्मेलन का उद्घाटन भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी करेंगे और विश्व के कोने-कोने से आए लोग इस सम्मेलन में शामिल होंगे। उक्त 10वें सम्मेलन का आयोजन भारत में करने का निर्णय सितम्बर, 2012 में जोहानिसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित 9वें विश्व हिन्दी सम्मेलन के दौरान लिया गया था।

पहले चार विश्व हिन्दी सम्मेलनों का केन्द्रीय विषय था "वसुधैव कुटुंबकम्"। इसके बाद, पोर्ट ऑफ स्पेन, ट्रिनिडाड एवं टोबेगो में 04-08 अप्रैल, 1996 तक आयोजित पांचवें विश्व हिन्दी सम्मेलन का विषय था, "अप्रवासी भारतीय और हिन्दी"। लंदन, यू. के. में 14-18 सितम्बर, 1999 के दौरान आयोजित छठे विश्व हिन्दी सम्मेलन का विषय रखा गया था, "हिन्दी और भावी पीढ़ी"। सातवें विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन 06-09 जून, 2003 तक पारामारिबो, सूरीनाम में किया गया था और इसका केन्द्रीय विषय था, "विश्व हिन्दी: नई शताब्दी की चुनौतियाँ"। इसके बाद आठवें विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन न्यूयार्क, अमेरिका में किया गया। 13-15 जुलाई, 2007 तक आयोजित इस सम्मेलन का विषय था, "विश्व मंच पर हिन्दी", जबकि नौवें विश्व हिन्दी सम्मेलन का मुख्य विषय था, "भाषा की अस्मिता और हिन्दी का वैश्विक संदर्भ"।

10वें विश्व हिन्दी सम्मेलन के दौरान विविध समसामयिक मुद्दों और विषयों के साथ-साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रशासन और विदेश नीति, विधि, मीडिया आदि क्षेत्रों में हिन्दी की परिधि तथा इसके सरल प्रयोग को बढ़ाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इस सम्मेलन का केन्द्रीय विषय है, "हिन्दी जगत: विस्तार एवं संभावनाएं"। सम्मेलन के अंतर्गत चुनिंदा विषयों पर समानांतर अकादमिक सत्रों का आयोजन भी किया जाएगा।

इस सम्मेलन का आयोजन स्थल लाल परेड ग्राउंड, भोपाल निर्धारित किया गया है। सम्मेलन के स्थानीय आयोजन का दायित्व मध्य प्रदेश सरकार को सौंपा गया है।

विश्व हिन्दी सम्मेलन के दौरान प्रतिदिन शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों का आयोजन संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और संस्कृति विभाग, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा किया जाएगा। इस दौरान एक कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कवि सम्मेलन का समन्वय कार्य भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा किया जाएगा।

सम्मेलन की अवधि के दौरान एक दैनिक सूचना-पत्र (सम्मेलन समाचार), सम्मेलन स्मारिका और अकादमिक सत्रों के दौरान हुई चर्चाओं और उनकी अनुसंधानों पर सम्मेलन रिपोर्ट का प्रकाशन भी किया जाएगा। दैनिक सम्मेलन समाचार पत्र का प्रकाशन माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा किया जाएगा, जबकि सम्मेलन रिपोर्ट, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा प्रकाशित की जाएगी। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद इस सम्मेलन पर "गगनांचल" का विशेष अंक जारी करेगा, जो खास इस सम्मेलन पर केंद्रित होगा।

सम्मेलन की परंपरा के अनुसार, हिन्दी के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान करने वाले भारतीय तथा अन्य देशों के हिन्दी विद्वानों को सम्मानित भी किया जाएगा।

10वें विश्व हिन्दी सम्मेलन के लिए एक उपयुक्त प्रतीक-चिह्न (लोगो) का चयन करने के लिए विदेश मंत्रालय द्वारा लोगो डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसके अंतर्गत 50,000/- रु. के पुरस्कार की राशि निर्धारित की गई थी। लोगो चयन समिति के सहयोग से इस सम्मेलन के लिए उपयुक्त लोगो का चयन किया गया। डाक-टिकट का डिजाइन 10वें विश्व हिन्दी सम्मेलन के इसी लोगो पर आधारित है।

डाक विभाग, 10वें विश्व हिन्दी सम्मेलन के अवसर पर एक स्मारक डाक-टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

### आभार :-

मूलपाठ : प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित

डाक-टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विरूपण : अलका शर्मा



## तकनीकी आंकड़े TECHNICAL DATA

|                    |   |                                    |
|--------------------|---|------------------------------------|
| जारी करने की तारीख | : | 10 सितम्बर, 2015                   |
| Date of Issue      | : | 10 September, 2015                 |
| मूल्यवर्ग          | : | 500 पैसा                           |
| Denomination       | : | 500 p                              |
| मुद्रित डाक-टिकटें | : | 5.1 लाख*                           |
| Stamps Printed     | : | 0.51 Million*                      |
| मुद्रण प्रक्रिया   | : | वेट ऑफसेट                          |
| Printing Process   | : | Wet Offset                         |
| मुद्रक             | : | प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद      |
| Printer            | : | Security Printing Press, Hyderabad |

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

\*10 हजार प्रस्तावक हेतु  
\*10 Thousand for the proponent